ई-संदेश

26 जून, 2025 | अंक 159

सात दिन – सात पृष्ठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में प्रतिभाग करते हुए

- उ0प्र0 बना एक्सप्रेस-वे प्रदेश
- लिंक एक्सप्रेस-वे के माध्यम से 03 घण्टे में तय होगी गोरखपुर से लखनऊ की दूरी: मुख्यमंत्री
- योग भारत की ऋषि परम्परा का ऐसा मंत्र, जो स्वस्थ काया के साथ-साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता : मुख्यमंत्री
- देश के कालीन एक्सपोर्ट में उ0प्र0 का 60 प्रतिशत योगदान : मुख्यमंत्री
- विकास प्रक्रिया से जुड़कर अब गाजीपुर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ प्राप्त कर रहा : मुख्यमंत्री
- दुग्ध विकास के क्षेत्र में उ0प्र0 में महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला : मुख्यमंत्री
- वाराणसी में 24 जून,2025 को संपन्न मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की झलकियां
- मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित तथा आपातकाल की त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी का 25 जून, 2025 को उद्घाटन किया

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

उ0प्र0 बना एक्सप्रेस-वे प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि जनता जनार्दन को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के माध्यम से जनपद आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, गोरखपुर तक की बेहतरीन वर्ल्ड क्लास कनेक्टिविटी का उपहार प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने बीमारू राज्य के स्थान पर अब एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे के निर्माण के साथ विभिन्न रूपों में कनेक्टिविटी बढ़ी है, जिससे रोजगार व विकास को नया आधार मिला है।मुख्यमंत्री जी 20 जून, 2025 को जनपद आजमगढ़ में 7283.28 करोड़ रुपये की लागत से 91.352 किमी0 लम्बे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के अवसर पर आयोजित एक जनसभा में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे जनपद गोरखपुर के सहजनवा के समीप स्थित जैतपुर से प्रारम्भ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के स्टोन नम्बर-191 पर जनपद आजमगढ़ के सलारपुर में जुड़ा है। 04-लेन का यह एक्सप्रेस-वे 06-लेन विस्तारणीय है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा तो उत्तर प्रदेश को समृद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता। यह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। आज प्रदेश में इंटर-स्टेट कनेक्टिविटी 04-लेन की है। हर जनपद मुख्यालय 04-लेन की कनेक्टिविटी और हर तहसील व ब्लॉक मुख्यालय 02-लेन की कनेक्टिविटी से जुड़ चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे चार जनपदों-गोरखपुर, संतकबीरनगर, अम्बेडकरनगर व आजमगढ़ की आठ तहसीलों से गुजरता है। इस एक्सप्रेस-वे के संचालित हो जाने से इन क्षेत्रों में विकास की रफ्तार और तेज होगी। विगत आठ वर्षों में आजमगढ़ में विकास के अनेक कार्य सम्पन्न हुए हैं। आजमगढ़ 02 एक्सप्रेस-वे के साथ जुड़ चुका है। महाराजा सुहेलदेव के नाम पर आजमगढ़ में राज्य विश्वविद्यालय संचालित है। जनपद के मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का भी निर्माण हो चुका है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व आजमगढ़ की साड़ी तथा ब्लैक पॉटरी को महत्व नहीं मिल पाया था। प्रदेश सरकार ने इन्हें एक नई पहचान दिलाने का कार्य किया है। आजमगढ़-मुबारकपुर की साड़ियां देश और दुनिया में पसंद की जा रही हैं। हरिहरपुर संगीत का एक प्रसिद्ध घराना रहा है, जो अपनी पहचान के लिए मोहताज हो गया था। इस घराने में गायन, वादन, नृत्य विधाएं एक साथ रही हैं। प्रदेश सरकार ने हरिहरपुर घराने की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए आजमगढ़ में संगीत महाविद्यालय स्वीकृत किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जुलाई, 2018 में प्रधानमंत्री जी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था और उन्होंने वर्ष 2021 में उद्घाटन भी किया था। 340 किलोमीटर लम्बे इस एक्सप्रेस-वे के बनने से जनपद आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर के लोग सुबह लखनऊ जाते हैं और दोपहर में अपना कार्य सम्पन्न कर वापस अपने गांव, अपने शहर में वापस आ जाते हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की कनेक्टिविटी पटना तक होने से लोग दिल्ली से पटना तक की यात्रा कम समय में पूरी कर सकेंगे। वर्ष 2017 से पूर्व पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की चौड़ाई मात्र 110 मीटर निर्धारित की गयी थी। प्रदेश सरकार ने इसे बढ़ाकर 120 मीटर किया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर एक्सप्रेस-वे के साथ हाई स्पीड, सेमी हाई स्पीड ट्रेन का संचालन भी किया जा सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में यमुना एक्सप्रेस-वे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे ही थे और इनका कार्य भी अधूरा था। प्रदेश सरकार ने अधूरे कार्य को पूरा कराया। वर्ष 2022 में 300 किलोमीटर लम्बा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे क्रियाशील हो गया। इससे दिल्ली से आगरा होते हुए चित्रकूट तक की कनेक्टिविटी डेवलप हुई है। दिल्ली से मेरठ के बीच 12 लेन का एक्सप्रेस-वे पहले ही प्रारम्भ हो चुका है। अब दिल्ली से मेरठ की दूरी तीन घंटे के स्थान पर 40 से 45 मिनट में तय की जा सकती है। विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता। प्रदेश में रोजगार सृजन के लिए औद्योगिक क्लस्टर्स इन एक्सप्रेस-वे के किनारे विकसित किए जा रहे हैं। इससे हमारे नौजवानों को उन्हीं के गांव, क्षेत्र में नौकरी व रोजगार मिलेगा। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में उत्तर प्रदेश अपनी महती भूमिका का निर्वहन करेगा।

लिंक एक्सप्रेस-वे के माध्यम से 03 घण्टे में तय होगी गोरखपुर से लखनऊ की दूरी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 20 जून, 2025 को जनपद गोरखपुर के जैतपुर (एन0एच0-27) से 7283.28 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। इसके साथ ही, 10 सुरक्षा वाहनां को भी हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा हरीशंकरी का पौधरोपण किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास के लिए यह आवश्यक है कि हमारी गति तेज हो। इस गति को बढ़ाने के लिए बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर अच्छा होगा, तो ही गति बढ़ेगी। गति बढ़ेगी तो प्रगति होगी, और प्रगति होगी, तो समृद्धि अपने आप ही आ जायेगी। यह विकास की एक सुनिश्चित अवधारणा है। दुनिया में जितने भी विकसित देश है, उन्होंने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद गोरखपुर के दक्षिणांचल में जहां पहले अपराधी गिरोह सक्रिय रहते थे, अब यहां औद्योगिक विकास की नयी नींव पड़ रही है। अकेले गीडा में विगत 08 वर्षों में 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारा गया है। 40 हजार से अधिक युवाओं को इन निवेशों के कारण नौकरी प्राप्त हुई है। अलग-अलग क्षेत्र में लग रहे उद्योगों से भी नौकरी की सम्भावनाओं को बढ़ाया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी के साथ एयर कनेक्टिविटी को भी बेहतर किया जा रहा है। पहले गोरखपुर से दिल्ली के लिए हवाई सेवाएं कम थीं, किन्तु आज देश के अलग-अलग शहरों के लिए 14 फ्लाइट गोरखपुर से संचालित हो रही हैं। इसने विकास को गति दी है। पहले प्रदेश में केवल 02 एयरपोर्ट लखनऊ व वाराणसी में थे, किन्तु आज प्रदेश में 16 एयरपोर्ट संचालित हैं। इसमें से 04 एयरपोर्ट-कुशीनगर, अयोध्या, लखनऊ एवं वाराणसी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं। जनपद गौतमबुद्धनगर के जेवर में प्रदेश का 5वां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाया जा रहा है। यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। अब उत्तर प्रदेश देश में एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी, अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संख्या व रेल कनेक्टिविटी में नम्बर एक बनने की दिशा में है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज जनपद गोरखपुर में विकास की असीम संभावनायें है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से गोरखपुर में एम्स और फर्टिलाइजर कारखाना आगे बढ़ चुका है। पहले हाईवे के माध्यम से गोरखपुर से लखनऊ जाने के लिए 3.5 से 04 घण्टे लगते थे, परन्तु अब लिंक एक्सप्रेस-वे के माध्यम से केवल 03 घण्टे में यह दूरी तय की जा सकेगी। आज जनपद आजमगढ़ में भी उनके द्वारा इसका लोकार्पण किया गया है। जनपद आजमगढ़ से लखनऊ जाने में अब केवल 02 घण्टे का समय लगता है। इससे आरामदायक सफर भी प्राप्त होगा। यह विकास की गति को बढ़ाने वाला होगा। एक्सप्रेस-वे का संजाल बनने व उद्योग लगने के बाद अब प्रदेश के नौजवानों को रोजगार के लिए बाहर नही जाना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले कोई भी नहीं सोचता था कि बेलघाट, खजनी एवं सिकरीगंज का यह क्षेत्र एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा, लेकिन आज यह साकार हुआ है। यहां उद्योग भी लगाये जायेंगे। अभी से ही इस क्षेत्र के लिए विभिन्न उद्योगों से निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। दक्षिणांचल के इस क्षेत्र में 100 वर्ष पहले सिंगापुर, थाईलैंड, लाओस आदि देशों में पलायन हुआ था, किन्तु अब यहाँ पलायन नहीं होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर ही लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। जब किसी क्षेत्र में सुरक्षा का बेहतर माहौल और बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर होता है, तो दुनिया की कोई ताकत उसको समृद्धि के मार्ग पर जाने से रोक नहीं सकती। समृद्धि की यह राह आज पूरे गोरखपुर में, पूरे प्रदेश में व पूरे देश में देखने को मिल रही है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे इसी का एक उदाहरण है। विकास और विरासत के समन्वय का कार्य लगातार आगे चलता रहेगा।

योग भारत की ऋषि परम्परा का ऐसा मंत्र, जो स्वस्थ काया के साथ-साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेशवासियों को 11वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की ऋषि परम्परा का ऐसा मंत्र है, जो स्वस्थ काया के साथ-साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। भारतीय मनीषा ने प्राचीन काल से ही योग के महत्व से हम सभी को विस्तृत रूप से अवगत कराया है। मनीषा का मानना रहा है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्' अर्थात् धर्म के सभी साधनों, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति एक स्वस्थ्य शरीर से ही सम्भव है। 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्' भाव की पूर्ति योग के माध्यम से होती है।

मुख्यमंत्री जी 21 जून, 2025 को जनपद गोरखपुर में श्री गोरखनाथ मन्दिर के महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में 11वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम से देश व दुनिया के लोग जुड़ रहे है। विशाखापट्टनम्, आन्ध्र प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी योग कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूरी दुनिया को भारत की योग परम्परा के महत्व से अवगत करा रहे हैं। धर्म, आध्यात्मिक उन्नयन, सर्वांगीण विकास, सांसारिक उत्कर्ष आदि से जुड़े कार्य स्वस्थ शरीर के बिना नहीं हो सकते।

यदि आप स्वस्थ शरीर के माध्यम से अर्थ के उपार्जन के साथ जुड़ते है तो वह लोक कल्याण का माध्यम बनता है। आपको अनेक प्रकार से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। स्वस्थ शरीर द्वारा ही कामनाओं की पूर्ति होती है। स्वस्थ शरीर के माध्यम से व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नयन के उच्च सोपानों को प्राप्त कर सकता है। जिसके माध्यम से हमारी ऋषि परम्परा ने सबके सामने एक विस्तृत भण्डार प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योग भारत की ऋषि परम्परा का प्रसाद है। भारत ने योग को आत्मकल्याण के माध्यम से लोक कल्याण का माध्यम बनाकर विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। इसकी लम्बी परम्परा तथा अलग-अलग आयाम देखने को मिलते हैं। दुनिया में भारत की तुलना केवल आर्थिक उन्नयन के लिए नहीं होती, बल्कि आर्थिक उन्नयन केवल एक पक्ष है। चेतना के उच्च आयामों के माध्यम से भारतीय मनीषा ने दुनिया को अनेक रहस्यमयी स्थितियों से अवगत कराने का कार्य किया था। चेतना के उच्च आयामों के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास सम्भव हुआ। ब्रह्माण्ड के जो रहस्य विश्व मानवता के लिए दुर्लभ हैं, भारतीय ऋषि परम्परा ने उन्हें उद्घाटित करते हुए भारत के धर्म ग्रन्थों में समाहित कर एक विरासत के रूप में वेदों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों तथा शास्त्रों के रूप में हम सबके सामने प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय मनीषा की विरासत तथा भारतीय ऋषि परम्परा के योग सम्बन्धी ज्ञान से दुनिया के अनेक देश लाभान्वित होते थे, लेकिन इन यौगिक क्रियाओं को अपने नाम से पेटेंट कराने तथा अपने ग्रन्थों में संकलित करने का कार्य करते थे। परिणामस्वरूप भारत अपनी विरासत से वंचित हो जाता था। योग की इस परम्परा को आगे बढ़ाने का श्रेय प्रधानमंत्री जी को जाता है। हर भारतवासी प्रधानमंत्री जी का आभारी है, जिनके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग के इस विरासत को वैश्विक मान्यता देकर 21 जून की तिथि को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। केवल भारतीय ही नहीं, बल्कि दुनिया के लगभग 190 देश 21 जून, 2015 से लगातार भारत की योग की विरासत के साथ जुड़कर अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस ऋषि परम्परा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर तथा आने वाली पीढ़ियों को अपनी विरासत से जोड़ने का प्रयास है। यह एक स्वस्थ शरीर के माध्यम से एक स्वस्थ मस्तिष्क की अवधारणा को साकार करने का भी प्रयास है। भारतीय मनीषा कहती है कि जिस व्यक्ति के पास योगाग्नि से तपा हुआ शरीर है, उस व्यक्ति से जरा (बुढ़ापा) तथा मृत्यु आदि व्याधियां हमेशा दूर रहती हैं। यह सब नियमित एवं संयमित दिनचर्या के माध्यम से सम्भव है।

देश के कालीन एक्सपोर्ट में उ0प्र0 का 60 प्रतिशत योगदान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 23 जून, 2025 को जनपद भदोही के भ्रमण अवसर पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ जनपद के विकास कार्यों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि देश के कालीन एक्सपोर्ट में उत्तर प्रदेश का 60 प्रतिशत योगदान है और उत्तर प्रदेश से जो कालीन एक्सपोर्ट हो रहा है, उसमें 60 प्रतिशत से अधिक भाग अकेले भदोही जनपद का है। इसे जी0आई0 टैग भी मिल चुका है। उन्होंने कहा कि कालीन उद्योग आज से 10 वर्ष पहले बहुत खराब स्थिति में था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जनपद भदोही के हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहन दिया गया है। उद्यमियों व हस्तशिल्पियों के अनेक कार्यक्रम स्थापित करने के कार्य भी सरकार के स्तर पर प्रारम्भ हुए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद भदोही में कारपेट एक्सपो मार्ट बनाने में केन्द्र व राज्य सरकार ने योगदान दिया है। हमारा प्रयास है कि भारत के प्राचीन हस्तशिल्प को और प्रोत्साहित किया जाए, ताकि उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में और प्रभावी ढंग से नई पहचान मिल सके। उन्होंने जिला प्रशासन को कार्पेट एक्सपो मार्ट को और अधिक बढ़ावा देने हेतु सी0ई0पी0सी0 व अन्य हितधारकों के साथ बैठक कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री जी ने निर्माणाधीन 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय एवं 50 बेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक एवं हीमो डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण किया तथा सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में जनपद भदोही की प्रथम रैंकिंग आने की सराहना करते हुए कहा कि नवम्बर, 2025 तक जनपद भदोही को टी0बी0 मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किये जाएं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों को एक-एक टी0बी0 मरीज को गोद लेकर पोषण पोटली देने की बात कही। मुख्यमंत्री जी ने आज डॉ 0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। उन्होंने प्रदेशवासियों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर हरित उत्तर प्रदेश बनाने की दिशा में सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी जुलाई माह में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के दृष्टिगत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़कर सभी जनप्रतिनिधिगण अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें तथा पौधरोपण करें। एक जनपद-एक नदी पुनरोद्धार के क्रम में मोरवा नदी के पुनरोद्धार के लिए लोग श्रमदान करें। मोरवा नदी व वरुणा नदी के दोनों किनारों पर स्थित गांवों में जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत के सहयोग तथा जनसहभागिता से अधिकाधिक पौधरोपण कराया जाए। नदियों को चैनलाइज किया जाए। आवश्यक स्थानों पर चेक-डैम बनाये जाएं, जिससे जल संचयन बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए बीडा द्वारा लैण्ड बैंक बढ़ाने की दिशा में कार्य किए जाएं। अनियोजित व अवैज्ञानिक विकास किसी भी दिशा में स्वीकार नहीं होगा। ज्ञानपुर कस्बे के नियोजित विकास हेतु सड़कों का चौड़ीकरण आवश्यक है। औराई चीनी मिल में एथेनॉल उत्पादन का प्रस्ताव बनाकर शासन को शीघ्र भेजा जाए। इससे स्थानीय लोगों के रोजगार में वृद्धि भी होगी।

विकास प्रक्रिया से जुड़कर अब गाजीपुर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ प्राप्त कर रहा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 जून, 2025 जनपद गाजीपुर में अपने भ्रमण के दौरान कहा कि जनपद अच्छी दिशा में आगे बढ़ रहा है। विकास प्रक्रिया से जुड़कर अब गाजीपुर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ प्राप्त कर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को शक्ति नगर तक, गंगा एक्सप्रेस-वे को मीरजापुर- भदोही-वाराणसी- चन्दौली होते हुए गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक मिलाने की कार्यवाही आगे बढ़ाने जा रही है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जनपद गाजीपुर को एक नई पहचान दिलाएगा। जनपद की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के लिए हम फिर से यहां आएंगे और गाजीपुर की जनता-जनार्दन को विकास परियोजनाओं का उपहार भी देंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने गाजीपुर में चौकिया अंधऊ बाईपास का प्रस्ताव दिया है, जिसे हम स्वीकृत कर रहे हैं। इससे यहां के विकास और यातायात की एक बड़ी समस्या का समाधान होगा।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, चीतनाथ घाट और कलेक्टर घाट से गाजीपुर से जुड़े कॉरिडोर निर्माण के सम्बन्ध में प्रस्ताव दिया गया है। इस पर भी आगे कार्यवाही होगी। इससे जनपद में विकास की सिलसिला अनवरत चलता रहेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में ही निर्माणधीन नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण किया गया है और जनपद गाजीपुर के विकास कार्यों की समीक्षा की गयी है। लगभग 1,100 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं वर्तमान में जनपद में पूर्ण की जा चुकी हैं या कुछ निर्माणधीन हैं। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अभी हाल ही में सम्पन्न हुई 60,244 उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में 1,534 सफल अभ्यर्थी जनपद गाजीपुर के हैं। उन्होंने देश के सबसे बड़े पुलिस बल में चयनित इन अभ्यर्थियों व उनके परिवार को बधाई दी।

दुग्ध विकास के क्षेत्र में उ0प्र0 में महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में 25 जून, 2025 को यहां लखनऊ में प्रादेशिक सहकारी डेयरी फेडरेशन (पी0सी0डी0एफ0) द्वारा संचालित तीन डेयरी प्लाण्ट (कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज) तथा अम्बेडकरनगर स्थित पशु आहार निर्माणशाला के संचालन हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन0डी0डी0बी0) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) का आदान-प्रदान सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के दुग्ध क्षेत्र को आत्मनिर्भर, तकनीकी रुप से सशक्त और किसानों के लिए लाभकारी बनाने की दिशा में आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। एन0डी0डी0बी0 को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता और व्यावसायिकता के नए मानक स्थापित होंगे, साथ ही प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को समयबद्ध भुगतान, बेहतर मूल्य और स्थायी विपणन की सुविधा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने, पशुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराने हेतु पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। एन0डी0डी0बी0 जैसे दक्ष एवं अनुभवी संस्थान को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी कुशलता, व्यावसायिक पारदर्शिता और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की पशुधन सम्पदा और दुग्ध उत्पादन की विशाल क्षमता को यदि नियोजित और वैज्ञानिक तरीके से विकसित किया जाए, तो उत्तर प्रदेश न केवल देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है, बल्कि वैश्विक डेयरी मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। एन0डी0डी0बी0 के साथ यह एम0ओ0यू0 उसी दिशा में एक ठोस, दूरदर्शी और व्यवहारिक कदम है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुग्ध विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला है। झांसी की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी सहित आगरा व गोरखपुर आदि जनपदों में दुग्ध विकास में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने इसमें सहयोग के लिए एन0डी0डी0बी0 की भूमिका की सराहना भी की।

वाराणसी में 24 जून,2025 को संपन्न मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की झलकियां

CM Office, GoUP
@CMOfficeUP

Translate post

विगत 08 वर्षों में प्रदेश में कामकाजी महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिगत स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट के अंतर्गत 08 'कामकाजी महिला छात्रावास' का निर्माण जनपद लखनऊ, गौतमबुद्धनगर तथा गाजियाबाद में किया जा रहा है।

प्रदेश के संसाधनों से मुख्यमंत्री श्रमजीवी अहिल्याबाई होल्कर महिला छात्रावास योजना के अंतर्गत 07 जनपदों-वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झांसी एवं आगरा में 500-500 की क्षमता के श्रमजीवी महिला छात्रावासों का निर्माण प्रस्तावित है: #UPCM @myogiadityanath

10:19 PM · Jun 24, 2025 · **6,624** Views

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित तथा आपातकाल की त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी का 25 जून, 2025 को उद्घाटन किया

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित